लेखक :– राज श्रीवास्तव
जिला आगरा

किस्सा एक दिन का

दोस्तों मेरे मेरे घर के सामने वाले घर में एक औरत है जो कि वहुत गोरी चिट्टी एक दम मलाई की तरह है। उनकी शादी को करीवन 12 साल हो चुके है। 35 वर्षीय महिला देखने में लम्वी चौडी दूध की तरह गौरी जिनके वडे –वडे वूव्स व्लाउज से निकलने के लिये हमेशा तैयार रहते थे। वह हमेशा मुझे देखकर मुस्करा जाती है। लेकिन उनका फिगर मुझे शुरु से ही वहुत उत्तेजित कर देता था। इसलिये अक्सर सुवह आफिस जाने से पहले कुछ समय के लिये मै घर से वाहर आकर वैठ जाता था। जिससे कि वो किसी वहाने वाहर आये और मै उन्हे देख सकू। वह रोजाना वाहर आती और एक प्यारी से मुस्कराहट देकर

चली जाती थी जव कभी मौका मिलता था तो मै उनसे वात भी कर लेता था। लेकिन वो वात हसी मजाक ही हुआ करती थी। लेकिन अकेले मैं उन्हे वहुत मिस करता था। और जव वो किसी दिन लाल रंग की साडी पहन कर वाहर निकलती थी तो क्या वताउ गोरे वदन पर लाल रंग कितना अच्छा लगता है मै वता नही सकता। उनके इस व्यवहार से मै इतना तो समझ चुका था कि वो मुझे पसंद करती है तभी एक दिन जव वो घर में अकेली थी तो मै कही घूमने जा रहा था तो देखा कि उनका दरवाजा खुला है दरवाजा खुला देखकर मै उनके घर पर गया तो देखा कि वो अपने काम में व्यस्त थी। मै चुपचाप जाकर खडा हो गया। जव अचानक उन्होने मुझे देखा तो एक दम चौक गई और वोली राज तुम आओं वैठों। मैने कहा नही मै वैठुगा नही मै तो सिर्फ यह देखने आया था कि तुम क्या कर रही हो। तो

उन्होने मेरा हाथ पकड कर कहा वैठ भी जाओ। मैने कहा तुम अपना काम कर रही हो वो वोली काम तो रोजाना का है फिर कर लूगी। और वो उठी और दरवाजा बन्द करके मेरे पास आकर वैठ गई। मै यह सोचने लगा कि क्या वात करू और कहा से शुरू करू। मैने वात वढाते हुए कहा चाची आप वहुत सुन्दर है। चाची वोली क्या फायदा तुम्हारे चाचा तो मेरी तरफ देखते तक नही तो मैने कहा कि मै तो देखता हूँ इस पर उन्होने कहा कि तुम तो दूर से ही देखते हो पास तो आते नही मैने कहा कि आज तो आया हूँ। इस पर उन्होने मेरी तरफ देखा और कुछ देर के लिये हमारी नजरे आपस में टकराई उसके वाद उन्होने अपनी नजरे झुका ली मैने उनका हाथ पकडते हुए अपने छाती से लगाते हुए कहा कि देखों मेरा दिल कितनी जोर से आपके लिये धडक रहा है। वो वोली अच्छा। और इस वहाने हम एक

दूसरे के और नजदीक आ गये उन्होने मुझसे कहा कि राज मेरा एक काम करोगें मैने कहा विलकुल करूगा वो वोली मुझे अपने सीने से लगा लो और मैने उन्हे अपने सीने से लगा लिया वो मुझसे चिपट गई और गहरी गहरी सांसे लेने लगी। माहोल मे विलकुल शान्ती हो गई मै भी उनकी पीठ पर हाथ सहलाने लगा धीरे धीरे मै अपने हाथ को नीचे ले जाने लगा उन्होने कोई एतराज नही किया ऐसा लग रहा था कि जैसे चाचा ने चाची की चुदाई कई महीनो से नही की थी। वह वहुत उत्तेजित हो चुकी थी। हाथो को नीचे ले जाकर मै उनके उभरे हुए उत्तेजक हिप्स पर हाथ सहलाने लगा तो वह वोली राज क्या कर रहे हो कोई देखेगा तो क्या कहेगा मैने कहा कि यहा हम दोने के सिवाय कौन है जो देखेगा। वो वोली वच्चे स्कूल से आने वाले होगे। मैने कहा चाची मै आपके लिये वहुत तडपा हूँ वो वोली मै

जानती हूँ। पर यह सही समय नही है और एक दम झटके के साथ मैने चाची को वैड पर लिटा दिया और उनके गालों को चूमने लगा और वो भी पूरी तरह मेरा साथ दे रही थी उसके वाद मै उनके होठो को चूसने लगा। वह वहुत उत्तेजित हो चुकी थी और मेरे पास भी समय वहुत कम था इसलिये जो भी करना था जल्दी ही करना था क्यो कि वच्चे स्कूल से आने वाले थे। मैने तुरन्त उनके व्लाउज के हुक खोले और उनके वूव्स पर टूट पडा उनके वूव्स विलकुल दूध की तरह सफेद वडे वडे थे और उसके वाद मेरे मन मैं उनकी चूत चूसने की इच्छा जाग्रह होने लगी। मैने तुरन्त उनकी साडी उपर की और उनकी चूत चूसने लगा। चूत के दाने पर जैसे ही मैने अपने जीभ की स्पर्श दिया कि चाची के शरीर में लहर सी दौड गयी जैसे कोई ठहरे हुए पानी में पत्थर मार देता है चाची की तडप वडती

ही जा रही थी मैने चाची की दोनों टागों को चौडा कर उनकी चूत का पूरा दाना मुँह में ले गया चाची की चूत पसीना छोडने लगी। चाची वोली चाची को भरपूर आनन्द की प्राप्ति हो रही थी मेरा लण्ड भी टनटना रहा था मैने अपना लण्ड निकाला और चाची की चूत के छेद पर रखा और हल्का सा झटका दिया कि लण्ड अन्दर चला गया और उसके वाद झटकों का सिलसिला ऐसा शुरू हुआ कि चाची मस्त होकर चुदने लगी उन्होने मुझे कस के पकड लिया चाची की आंखे खुल नही रही थी वो मेरे लण्ड का भरपूर आनन्द ले रही थी और शायद सोच रही थी कि अव पता नही ये मजा कव मिले चाची एक वार पहले भी झड चुकी थी और दूसरी वार झडने वाली थी कुछ देर वाद मेरे भी लण्ड ने पानी छोड दिया और चाची को भी चरम सुख की प्राप्ति हो रही थी। चुदाई के वाद चाची ने मेरे होठो पर

एक मीठी पप्पी दी। और कहा कि कल 11.00 वजे आना।

अगली कहानी मै आपको वताउगा कि कल 11 वजे क्या हुआ।यदि कोई चाची/मामी या लडकी मुझसे चुदाई सम्बन्धी कोई सुविधा चाहती है तो प्लीज निसंकोच सम्पर्क कर सकती है। मेरा ईमेल है **pawan172@gmail.com**

राज श्रीवास्तव

आगरा